University in News on 19 March 2021

JAGRAN CITY PAGE III

लविवि पहली बार कराएगा इंटीग्रेटेड पीएचडी

जासं, लखनऊ : रेगुलर और पार्ट टाइम पीएचडी के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय पहली बार इंटीग्रेटेड पीएचडी की भी शुरुआत करेगा। इसमें चार साल में छात्र पीजी के साथ पीएचडी कर सकेंगे। यदि किसी छात्र को सिर्फ पीजी करना है तो उसे उसकी डिग्री दी जाएगी अन्यथा आगे दो वर्षों में पीएचडी भी कर सकेंगे। इसके लिए ऐसा करिकुलम बनेगा कि पीजी का चौथा सेमेस्टर कोर्स वर्क के रूप में होगा। विवि ने एकेडमिक काउंसिल और एक्जीक्यूटिव काउंसिल से प्रस्ताव पास कराकर इसे अमल में लाने के लिए विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) को अनुमति के लिए भेजा है।

लविवि ने इस साल पार्ट टाइम पीएचडी कोर्स लांच किया है। नौकरी करने वाले अभ्यर्थी इसमें प्रवेश ले सकेंगे। इसके बाद अब विश्वविद्यालय इंटीग्रेटेड पीएचडी भी शुरू करने की तैयारी कर रहा है यानी चार साल में पीजी के साथ पीएचडी की डिग्री मिल सकेगी।

सबसे पहले साइंस फैकल्टी में होगी शुरुआत : बीते दिनों एकेडमिक काउंसिल और एक्जीक्यूटिव काउंसिल से इसका प्रस्ताव पास हो चुका है। सबसे पहले इंटीग्रेटेड पीएचडी की शुरुआत साइंस और फिर आर्ट फैकल्टी में शुरू करने पर विचार किया गया है। कुलपति ने बताया कि यदि कोई छात्र एमएससी की डिग्री लेकर जाना चाहेंगे तो वे जा सकते हैं अन्यथा पीएचडी वाले आगे दो साल में अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे। इसके लिए करिकुलम को इस तरह बनाया जाएगा कि पीजी का चौथा सेमेस्टर कोर्स वर्क के रूप में होगा। थोड़ा रिसर्च मेथेडोलाजी चौथे सेमेस्टर में ही पढ़ाएंगे। छात्रों का एक साल बचेगा। थीसिस जमा करने का समय रहेगा। इस बीच इंटर्नशिप भी कर सकेगा। उन्होंने बताया कि यूजीसी से जवाब आने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

विश्वविद्यालय से प्रस्ताव पास यूजीसी को अनुमति के लिए भेजा गया है पत्र, चार साल में पीजी के साथ पीएचडी कर सकेंगे छात्र

सिर्फ आइआइटी में हैं इस तरह की पीएचडी

विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अभी तक आइआइटी खड़कपुर सहित कुछ अन्य आइआइटी में इंटीग्रेटेड पीएचडी की व्यवस्था है। विश्वविद्यालय स्तर पर पहली बार लविवि से इसे शुरू करेगा।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 7

नई शिक्षा नीति व्यावहारिक एवं समयानुकूल : प्रो. पूनम

लखनऊ (एसएनबी)। श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय में वृहस्पतिवार को 'नई शिक्षा नीति : उच्च शिक्षा में क्रियान्वयन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वक्त डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर एवं अध्यक्ष, भौतिक शास्त्र विभाग, लखनऊ विश्व विद्यालय की अध्यक्ष प्रो. पूनम टण्डन ने दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

केकेसी में 'नई शिक्षा नीति : उच्च शिक्षा में क्रियान्वयन' विषय पर कार्यशाला

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति, एक व्यवहारिक एवं समयानुकूल व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि इसके लागू करने को लेकर अभी आरंभिक अध्ययनों का दौर चल रहा है। जल्दी ही इसके बहुत अच्छे परिणाम सामने आने वाले हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डा. मीता साह ने प्रो. टंडन का स्वागत दुशाला एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में शिक्षा के साथ-साथ आवश्यक कौशल विकास का समावेश किया गया है, जिसका लाभ छात्र-छात्राओं को लम्बे समय तक मिलता रहेगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के हिंदी विभाग के शिक्षक डा. नलिन रंजन सिंह को वर्ष 2020-21 का, उ.प्र. सरकार द्वारा प्रतिष्ठित साहित्य गौरव पुरस्कार मिलने के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। कार्यशाला का संचालन डा. वंदना श्रीवास्तव ने किया। डा. अरुण मिश्रा, उप प्राचार्य ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कला संकाय प्रभारी डा. एस. सी. हजेला, वाणिज्य संकाय प्रभारी डा. के.के. शुक्ल, विज्ञान संकाय प्रभारी डा. आर.सी. त्रिपाठी, उपस्थित रहे।